संदर्भ सं.:-- **दिनांकः 31-05-2022**

इंश्योरटेक – अनुप्राणित करनेवाला उत्प्रेरक

प्रेस प्रकाशनी

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने बीमा क्षेत्र के लिए सुधार कार्यसूची प्रारंभ की है। इस यात्रा में आईआरडीएआई ने *"इंश्योरटेक – अनुप्राणित करनेवाला उत्प्रेरक"* विषय से युक्त एक इंश्योरटेक सम्मेलन बेंगलूरु में 30 मई 2022 को आयोजित किया है।

श्री देबाशीष पण्डा, अध्यक्ष, आईआरडीएआई ने इस अवसर पर उपस्थित रहकर बीमा और इंश्योरटेक समुदाय से आये हुए 300 से अधिक अग्रणी व्यक्तियों के लिए एक प्रगामी और सुधारात्मक मुख्य भाषण दिया है। उन्होंने इस बात पर बल दिया है कि आईआरडीएआई यह सुनिश्चित करने के साथ ही कि पालिसीधारकों के हितों का संरक्षण किया जाए, किसी भी प्रौद्योगिकीगत नवोन्मेषण को अपनाने, योग्य बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए तैयार है। श्री पण्डा जी ने यह विश्वास भी व्यक्त किया कि बीमा क्षेत्र अपने परिवर्तन के मोड़ पर है तथा आईआरडीएआई बीमा पारिस्थितिक तंत्र में साथ-साथ चलने और प्रौद्योगिकीगत नवोन्मेषणों को समर्थ बनाने के लिए तैयार है।

श्री पण्डा जी ने कहा कि प्रौद्योगिकी सभी उद्देश्यों और चुनौतियों का समाधान है। निम्न आय वाले लोगों, असुरक्षित वर्गों, आपदा-प्रवण क्षेत्रों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) एवं इस सहस्राब्दी की नई पीढ़ी की आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए एक विस्तारित साधन के रूप में प्रौद्योगिकी का उपयोग करना समय की माँग है। यह भी कहा गया कि जोखिम-अंकन की प्रक्रिया को बढ़ाने, ग्राहकों के लिए दावा अनुभव में सुधार लाने, अंतःस्थापित बीमा उत्पाद अथवा मूल्यवर्धित सेवाएँ अभिकल्पित करने में समर्थ होने के लिए विभिन्न स्रोतों से डेटा बिन्दुओं का उन्नयन करने की आवश्यकता है।

प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर आईआरडीएआई विनियामक सैंडबाक्स के नवीनीकरण जैसी पहलें प्रारंभ कर चुका है जिससे इसे एक निरंतर आधार पर स्पंदनशील बनाया जा सके। प्रौद्योगिकी द्वारा नियंत्रित क्षेत्रों को सूक्ष्म बीमा, फ़सल बीमा, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) में प्रोत्साहित किया जा रहा है। बीमाकर्ताओं द्वारा इंश्योरटेक स्टार्ट-अपों में निवेश करने की स्वतंत्रता प्राप्त करना भी विचाराधीन है।

दिन-भर के सम्मेलन में इंश्योरटेक से संबंधित ढाँचे में अपेक्षित परिवर्तनों, मूल्यवर्धित सेवाओं की भूमिका, तथा अल्पसेवा-प्राप्त और सशक्तता-रहित जनता की आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए इंश्योरटेक का उपयोग करने के संबंध में गोलमेज चर्चाएँ की गईं।

अंतिम लक्ष्य तक कवरेज करने और बीमा के माध्यम से सभी भारतीयों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्यों को पूरा करने हेतु दुतरफा संवाद करने एवं नवोन्मेष समाधानों को प्रोत्साहित करने के लिए आईआरडीएआई सदैव तत्पर है।

Ref. No:-- **Date:31-05-2022**

InsurTech – Catalyst that Inspires

PRESS RELEASE

The Insurance Regulatory and Development Authority of India (IRDAI) has embarked upon the reforms agenda for the insurance sector. And in this journey, IRDAI has hosted an InsurTech Conference at Bengaluru on 30th May, 2022, themed "*InsurTech – Catalyst that Inspires*".

Shri Debasish Panda, Chairperson, IRDAI graced the event and delivered a progressive, reformative keynote address to over 300 leaders from insurance and InsurTech community. He emphasised that IRDAI is ready to adopt, enable and encourage any technological innovations while ensuring that the policyholders' interests are protected. Shri Panda also conveyed the belief that insurance sector is at the inflection point and IRDAI is ready to travel together by hand-holding and enabling the technological innovations in insurance ecosystem.

Shri Panda stated that technology is the answer to all the objectives and challenges. Using technology as extended arms to serve the needs of the low-income population, vulnerable sections, calamity-prone regions, MSMEs, Millennial population is the need of the hour. It was also stated that there is a need to leverage the data points from the various sources to enhance the underwriting process, improve claims experience for customers, able to design embedded insurance products, or value-added services.

On the technological front, IRDAI has already initiated steps like revamping the Regulatory Sandbox to make it vibrant on a continuous basis. Tech-led areas are being encouraged in micro-insurance, crop-insurance, Ayushman Bharat Digital Mission (ABDM). Enabling investment freedom in the InsurTech start-ups by Insurers is also under consideration.

The day-long conference entailed roundtable discussions on changes required in framework related to InsurTech, role of value-added services, and using InsurTech to cater the needs for underserved and disempowered.

IRDAI is open for a two-way dialogue and encourage innovative technological solutions to meet the objectives of last mile coverage and providing financial security to all Indians through insurance.